

---

# Vyasaproktam Narmada Stotram

——  
व्यासप्रोक्तं नर्मदास्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Vyasaproktam Narmada Stotram

File name : vyAsaproktaMnarmadAstotram.itx

Category : devii, devI, nadI, skandapurANa, stotra

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANa | AvantyakhaNDA | revAkhaNDA | adhyAya 97/103-111||

Latest update : July 6, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 6, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



## Vyasaproktam Narmada Stotram

### व्यासप्रोक्तं नर्मदास्तोत्रम्



जय भगवति देवि नमो वरदे जय पापविनाशिनी भद्रुकुलदे ।  
जय शुभनिशुभकपालधरे प्राणमामि तु देवनरार्तिहरे ॥ १०३ ॥

जय चन्द्रदिवाकरनेत्रधरे जय पावकभूषितवक्त्रधरे ।  
जय भैरवदेहनिलीनधरे जय अन्धकरक्तविशोषकरे ॥ १०४ ॥

जय मण्डिषविमर्दिनि शूलकरे जय लोकसमस्तकपालधरे ।  
जय देवि पितामहसामनते जय भास्करशङ्कशिरोऽवनते ॥ १०५ ॥

जय षड्भुजसायुधे शशनुते जय सागरगामिनि शम्भुनुते ।  
जय दुःषट्शिरविनाशकरे जय पुत्रकलत्रविवृद्धिकरे ॥ १०६ ॥

जय देवि समस्तशरीरधरे जय नाकविदर्शिनि दुःषड्धरे ।  
जय व्याधिविनाशिनि भोक्षकरे जय वाञ्छितदायिनि सिद्धधरे ॥ १०७ ॥

येतद्व्यासकृतं स्तोत्रं यः पठेच्छिवसन्निधौ ।  
गुह्ये वा शुद्धभावेन कामकोधविवर्जितः ॥ १०८ ॥

तस्य व्यासो भवेत्प्रीतः प्रीतश्च वृषवाहनः ।  
प्रीता स्यान्नर्मदा देवी सर्वपापक्षयङ्करी ॥ १०९ ॥

न ते यान्ति यमालोकं यैः स्तुता भुवि नर्मदा ।  
पितामहोऽपि मुख्येते देवि त्वद्गुणकीर्तनात् ॥ ११० ॥

वाक्प्रतिर्नैव ते वक्तुं स्वऋषं वेद नर्मदे ।  
कथं गुणानन्दं देवि त्वदीयांज्ञातुमुत्सहे ॥ १११ ॥

एति श्रीस्कन्दपुराणे आवन्त्यभएते रेवाभएते समनवतितमा- ध्यायान्तर्गतं  
व्यासकृतं नर्मदास्तोत्रं समाप्तम् ।  
स्कन्दपुराण । आवन्त्यभएड । रेवाभएड । अध्याय ९७/१०३-१११ ॥

skandapurANa . AvantyakhaNDa . revAkhaNDa . adhyAya 97/103-111..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Vyasaproktam Narmada Stotram*

pdf was typeset on July 6, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

